

## गीतों की सूची

1	एक मन में आस	32	तुझको ही चाहता
2	प्रतिभोर उसकी करुणा	33	धन्यवाद यीशु
3	तेरे भवन आकर	34	मेरा प्रभु यीशु मसीह
4	तू मुझमें मैं तुझमे	35	जो यहोवा पर रखेगा
5	है आसमां	36	यहोवा मेरा बल
6	सिंहासन के पास	37	प्रभु यीशु की जय
7	यीशु विराजमान	38	सर्वशक्तिमान है
8	मांगने को आया नहीं	39	यीशुआ—मसीहा
9	तेरा लहु बड़ा	40	राजाधिराज तेरे उपकार
10	यीशु तेरा यह प्रेम	41	यीशु मसीह हमारा प्रभ
11	तेरे नाम में चंगाई	42	हे सारे लोग
12	ऊँचे स्वर्ग में	43	जातियों में ज्योति
13	मेरी योग्यता से	44	गएगे हम यीशु महान
14	हे स्वर्गीय पिता विधाता	45	धन्यवाद के साथ
15	पवित्र मुझे बना	46	जिंदगी ये सफर
16	धन्यवाद के साथ स्तुति	47	साथ यीशु गर
17	हे यीशु दाता	48	सारी महिमा
18	सिंहासन पर	49	पवित्र आत्मा तू
19	आदर और महिमा	50	तेरे विचार
20	पवित्रता से शोभायमान	51	यीशु नाम की जय
21	एक नया दिन	52	आकाश और पृथ्वी
22	तेरे चरणों में मुझे	53	यीशु मेरी ज्योति
23	सिर्फ भलाई करने वाला	54	आजाद हैं हम
24	तेरे छुने से यीशु	55	उपासना हम करते हैं
25	तेरा प्यार है महान	56	तेरी पनाह में आते
26	घटी नहीं है	57	प्रभु राजाओं का राजा
27	तुफानों पर चलानेवाला	58	हे मेरे इस्राएल
28	पाप हटाने	59	तेरा अनुग्रह
29	तारीफ, तारिफ	60	पराक्रमी खुदा
30	स्वर्ग से बहती नदी	61	यीशु पवित्र है
31	तेरी करुणा घटती नहीं	62	तू ही है मेरा सवेरा
		63	यीशु तेरी कलीसिया

# 1

एक मन में आस हैं, अभिषेक की प्यास हैं  
मुझे हाँ मुझे  
रुह पाक तेरा यहाँ, मैं स्वागत करता हुँ  
छुले हाँ छुले....

न तो बल से ना शक्ति से  
पर तेरे रुह से हो  
तेरे रुह से सुनता रहुं  
तेरे रुह से जय मैं पाऊँ

1 रुह ए पाक मेरा बल और सामर्थ

रहबर बनकर रहता  
मैं जहाँ भी रहुँ तू वहाँ  
सहायक बनकर रहता  
मुझे तेरी ज़रूरत हैं

2 रुह ए पाक मेरा साथी और सहभागी

सलाहकार बनकर रहता  
मैं जहाँ भी सोचुँ तू वहाँ  
नियंत्रक बनकर रहता  
मुझे तेरी ज़रूरत हैं

# 2

प्रतिभोर उसकी करुणा नयापन लाती है  
और उसकी सच्चाई उत्तम कहलाती हैं

खुदा की करूणा अमर हैं—2

1. हम मिटे नहीं जीवित हैं उत्तम फल कहलाते हैं

वो भला हैं प्यारा हैं अनुग्रह हम पर करता हैं

2. तन मन प्राण गाते हैं पावन पावन तू हैं

धन्यवाद स्तुतिगान लाकर होसन्ना गाते

### 3

तेरे भवन आकर मैं

धन्य तुझे कह सका

तेरे करीब आकर मैं

आदर तुझे दे सका

यह तेरी दया मुझपर हुई

यह तेरा अनुग्रह मुझपर हुआ

1. पवित्र स्थान में तू हैं विराजमान

पवित्रता से करूँ मैं धन्यवाद

तू मेरा यीशु —हो

तू मेरा प्रभु —हो

तू मेरा राजा—हो

तू मेरा गुरु—हो

2. पवित्र आत्मा तू हैं मेरी पनाह

पवित्रता से करूँ मैं सजदा

### 4

तू मुझमें मैं तुझमें बना रहूँ

एक ड़ालि के समान फलता रहूँ

तेरा वचन तेरा प्यार मुझ में रहें

सच्चा चेला बनके मैं पीछे चलूँ

1. जो ड़ाली तुझमें फलती नहीं, उसे तू काट देता हैं

जो ड़ाली तुझमें फलती रहें, उसे तू छाटता हैं

ताकी और फले, और फले तुझमें फलती रहें

2 गर कोई तुझ में न बना रहें, वो कभी न फलता हैं

गर कोई तुझ में बना रहें, वह हर समय फलता हैं

बना रहुँ बना रहुँ तुझ में बना रहुँ

## 5

हे आसमां के तारों, हे पृथ्वी के लोगों

हे समुद्र हे व्योपों, हे नदीयां हे पर्वतों

उंचे स्वर में जयजयकार करें

वो खुदा सबसे बलवान है

तारीफ के योग्य है, आदर के योग्य है

सारी प्रशंसा और महिमा तुझे मिले——यीशुआ

1 हे जाति जाति के लोगो

उसकी सुनो और महिमा करो

वो यहोवा अल्फा और ओमेगा

उसके सिवाय और कोई नहीं

उंचे स्वर में जयजयकार करें

वो खुदा सबसे बलवान है

2 हे प्रजा चुनी हुई प्रजा  
आत्मिक उन्माद में भरे रहो  
वो है प्रभु पवित्र और योग्य  
जिसकी तुलना किसी से ना करों

## 6

1.सिंहासन के पास अनुग्रह हैं  
सिंहासन के पास दया हैं  
आओ उसे पा लो  
आओ उसे पा लो  
मुश्किलों में, हैं सहायक  
जरूरतों में, हैं सहायक  
निर्बलता में, वो बल हैं  
अंधेरों में, वो रोशनी

2. यीशु के पास आजादी हैं  
यीशु के पास रिहाई हैं  
आओ उसे पा लो  
आओ उसे पा लो  
बंधनों से छुड़ाता हैं  
जंजीरों से छुड़ाता है  
सीने से वो लगाता है  
बिखरी ज़िदगी को बनाता हैं

यीशु विराजमान है यहाँ  
 महिमा से भरा  
 स्वर्ग का द्वार, खुला हुआ है यहाँ  
 महिमा से भरा  
 स्वर्गीय पिता, यीशु मसीह, पवित्र आत्मा विराजमान  
 सुन सकुँ, देख सकुँ  
 तेरी महिमा के वैभव  
 कर सकुँ, दे सकुँ  
 सारी महिमा यीशु को  
 तू यहाँ हर जगह  
 तेरी शान को पहचान सकुँ

1 तेरी उपस्थिती में आनंद की भरपुरी  
 आनंद आनंद ही पाऊँ  
 तेरी उपस्थिती में, अभिषेक की भरपुरी  
 अभिषेक अभिषेक ही पाऊँ  
 तू यहाँ हर जगह,  
 तेरी शान को पहचान सकुँ

2 तेरी उपस्थिती में, सामर्थ की भरपूरी  
 सामर्थ सामर्थ ही पाऊँ  
 तेरी उपस्थिती में, वचन की भरपूरी

वचन वचन ही पाउँ  
तू यहाँ हर जगह,  
तेरी शान को पहचान सकुँ

## 8

मांगने को आया नहीं  
सिर्फ बातें करने को आया हुँ मैं  
मांगने से भी हैं बढ़कर है दिया  
तेरे लाडलों को तूने मेरे मसीह  
आँखे बंदकर कर, हाथ उठाकर तेरी आत्मा को महसूस करूँ  
1 परमेश्वर आत्मा है  
सच्चे आत्मा से आराधना करों  
सच्चे आराधक को वो ढुँढ रहा हैं  
सच्चे आत्मा से आराधना करों

2 परमेश्वर है यहाँ  
देख रहा हैं तुझे यहाँ  
सच्चे आराधक को वो ढुँढ रहा हैं  
सच्चे आत्मा से आराधना करो

## 9

तेरा लहु बड़ा कीमती हैं प्रभु—2  
क्योंकि उस लहु में जो ताकत हैं  
जिससे हम पाते हैं छुटकारा  
तूने जो लहु बहाया हैं

सारी दुनियाँ को बचाया हैं  
कभी तूने किसी से कुछ न मांगा  
कभी तूने किसी से कुछ न कहां

## 10

यीशु तेरा यह प्रेम, कितना महान गहरा हैं  
यीशु तेरा लहु, धोता मुझे देता हैं चैन  
तुझसे ही हैं मेरी हर सांस,  
तुझसे ही हैं मेरा विश्वास  
पवित्र आत्मा तेरा यह स्पर्श, भरता मुझे आनंद से  
पवित्र आत्मा मेरा रहबर, रहता तू संग हर एक पल  
तुझसे ही हैं मेरी हर सांस,  
तुझसे ही हैं मेरा विश्वास

## 11

तेरे नाम में चंगाई है  
तेरे नाम में रिहाई है  
तेरे नाम में दुहाई ..यीशुवे  
यीशुवे—2

1 जीस ने भी मांगा तुझ से  
यीशु तू देता उसे  
यीशु नाम में—3  
सब कुछ मिलता है

2 सर्वश्रेष्ठ हैं यीशु नाम  
सर्वज्ञानी है यीशु नाम  
उस नाम के सामने  
हर घुटना हैं टिकते

## 12

ऊँचे स्वर्ग में दूत गाते एक स्वर में  
और निचे यहां हम गाते एक स्वर में  
सब मिलकर गाते हैं हाल्लेलूयाह  
तेरा ही दण्डवत करने को  
राजा सिंहासन छोड़कर झुकते हैं  
तेरी आराधना करने को  
प्राचिन मुकट को रखके झुकते हैं  
हम भी यह गाते हैं पवित्र पवित्र है तू

## 13

मेरी योग्यता से बढ़कर आशीष देनेवाला परमेश्वर  
मेरी यग्योत्ता से बढ़कर मुझे चाहनेवाला परमेश्वर  
हा— हालेलूयाह

तेरे अनुग्रह से बचाया, तेरी सामर्थ से छुड़ाया  
हमें आशीषों से तू भरता, स्तुति के योग्य तू है परमेश्वर  
  
तूने आत्मा हमें दिया, तेरी संतान हमको बनाया  
ऐसा प्रेम हमसे तू करता, मेरा चाहनेवाला परमेश्वर

## 14

हे स्वर्गीय पिता विधाता मेरे  
तेरे चरणों में झुकते हैं हम  
समुख आकर झुकते हम—2  
सिंहासन के पास लेकर दुआ  
मांगते हम तुझसे कृपा—2  
कृपा तू कर दयालु कृपा तू कर  
भर अपनी अपार शांति से आत्मा तन मन की चंगाई से

जीवन जल के प्यासे है प्रभु हम  
जीवन जल के प्यासे है  
तुझपर ही आस लगाए प्रभु हम  
तुझपर ही आस लगाए प्रभु हम—2

तू है शालोम शांति दाता मेरा  
मिलती शांति मुझको तेरे प्रतापी बल से  
तू ही राफा चंगाई दाता मेरा  
मिलती चंगाई मुझको तेरे प्रतापी बल से

हो— करूँ दुआ मैं तुझे पुकारूँ मैं  
करूँ दुआ मैं चिलाऊँ पुकारूँ मैं

## 15

पवित्र मुझे बना दे प्रभु  
शुद्ध मुझे कर दे यीशु

ताकि तेरे जैसा दिखुँ

1 शरीर की अभिलाषाओं पर  
शैतान की सारी ताकत पर  
विजय मैं पाउं जय मैं पाउं  
ताकि तेरे जैसा दिखुँ

2 वचन को मेरे दिल में रखुं  
तुझ से मैं प्यार कर सकुँ  
प्रार्थना में मैं बल पाउं  
ताकि तेरे जैसा दिखुँ

3 पवित्र आत्मा मुझपर नियंत्रण कर  
जहाँ भी रहूँ तेरा हाथ हो मुझपर  
तेरी संगती में मैं रहूँ  
ताकि तेरे जैसा दिखुँ

## 16

धन्यवाद के साथ स्तुति गाऊँगा  
हे यीशु मेरे खुदा  
उपकार तेरे हैं बेशुमार  
कोटी कोटी स्तुति धन्यवाद

1. योग्यता से बढ़ के दिया है  
अपनी दया से तूने मुझे  
माँगने से ज्यादा मिला मुझे  
आभारी हूँ प्रभु मैं

2. तू ही सच्चा जिंदा खुदा  
तुझ पर ही भरोसा मेरा  
सेवा पूरी करके पाऊँ इनाम  
प्रभु ऐसा दो वरदान

17

हे यीशु दाता मेरे खुदा  
करता हूँ स्तुति आराधना  
घुटनों से ऊँचा कमर से भी ज्यादा  
तुझ में डूबु यही ख्वाईस मेरी

1.प्रभु तेरा प्रेम तेरे समान  
रहता सदा है एक समान  
हर हाल में वो कभी बदलता नही

2.भर दे तेरी अग्नि से, भर दे तेरी शक्ति से  
भर दे तेरी सामर्थ से, तेरी घोषणा करूँ मैं

3.यीशु तू ही मेरा खुदा, यीशु तू ही मेरा प्रिय  
यीशु तू ही है मेरा जुनून, मेरा बसकुछ तू ही है

18

1. सिंहासन पर वह विराजमान  
उसके वस्त्र के घेर से मन्दिर में हे शान  
उड़ उड़ कर गाते सराफ  
पवित्र यहोवा तू हे सर्वदा

भय भक्ति के मैं साथ, आ रहा तेरे पास

तेरी ईच्छा मुझमें पूरी होवे  
तन मन धन और घुटना टिक रहा हूँ अपना  
तेरे प्यार के चादर से मुझे ओड़ ले

वेदि का अंगारा मेरी और ला  
मेरे उठ को छूँ  
कर मेरे अधर्म मेरे पाप क्षमा  
मुझे कर कबूल

2. सुर्य समान है उसका प्रकाश  
प्रथम और अन्तिम जीवन तक उसका है राज  
मृत्यु कि कून्जी है उसके पास  
उसके मुख से निकलता दो धारी तलवार

## 19

आदर और महिमा सामर्थ के योग्य  
यीशु तू ही तो है  
युगानुयुग जीवित धन्यवाद के योग्य  
यीशु तू ही तो है

1. झुकते हैं आकर चरणों में तेरे संग दूतों के  
मुकुट को रखकर कदमों पे तेरे संग संतों के  
जो कुछ भी हमने है किया, तूने हमारे लिए किया
2. सिंहासन के सामने हर कोई कहता तू ही पवित्र है  
इस मंदिर में हम भी यह गाते तू ही पवित्र हैं  
जो था और है और रहेगा, तू है पवित्र सर्वशक्तिमान

## 20

पवित्रता से शोभायमान होकर  
आओ हम दण्डवत करें  
आत्मा से और सच्चाई से  
यीशु को धन्य कहें

उसकी स्तुति युगानुयुग होती रहें  
उसकी महिमा युगानुयुग होती रहें  
वह ही योग्य है स्तुति के  
वह ही योग्य है महिमा के  
वह ही योग्य है तारीफ के

1 पूरब से पश्चिम तक, उत्तर से दक्षिण तक  
यीशु नाम ही, स्तुति के योग्य है  
सारे मंडल में, उसकी महिमा होती है  
उसके ही सामने, सब झुकते हैं

2 उसको छोड़ कर, कोई प्रभु नहीं है  
यीशु नाम में ही उद्धार है  
वही प्रभु है वही राजा है  
वही जीवित है हमेशा के लिए

## 21

एक नया दिन  
एक नया पल  
एक नया अवसर जो तूने मुझे दिया

क्या मैं कहुँ  
 क्या मैं लाउँ  
 क्या मैं दुँ.....तेरे चरणों में यीशु  
 स्तुति के शब्द हैं  
 आदर के शब्द हैं  
 धन्यवाद कह कर मैं सारी महिमा दुँ.....

1.तू नहीं प्रसंन्न होता होम बलि से  
 न अन्न बलि से, न मेल बलि से  
 दुटा हुआ मन तू चाहता  
 जीवित शरीरों से स्तुति चाहता

2.तू नहीं बदलता वायदों से  
 ना वचनों से, ना आज्ञा से  
 लिखा हुआ उसे पुरा करता  
 अनगीनीत आशीषे तू देता

## 22

तेरे चरणों में मुझे शांति मिलती है  
 तेरे आत्मा से मैं सामर्थ पाता हूँ  
 तेरे चरणों के करीब और करीब आता हूँ यीशु

1. तूने मेरे उद्घार के लिए, अपनी जान की कुर्बानी दी  
मुझे पास बैठाया अपने लहू से धोकर, मुझे शुद्ध  
किया मैं तेरा हूँ
2. मुझ पापी को तूने चुन लिया अपने आत्मा का

वरदान है दिया  
अन्धकारमय जीवन में अपनी ज्योति जलायी मुझे  
प्यार किया मैं तेरा हूँ

## 23

सिर्फ भलाई करने वाला यीशु, हर बुराई मिटाता है  
पाप सारे माफ करता है, नया जीवन मुझे देता है  
यीशु यीशु तू सबसे महान है, यीशु यीशु तू मेरे लिए पर्याप्त है

1. आंसू की वादियों को जीवन नदियों में बदलेगा वो  
रोगों की बेड़ियों को नेस्तनाबूद करेगा वो  
सिय्योन यात्रा में, जीवन के सफर में.....2  
प्रेम की धाराएं बहायेगा वो – यीशु.....
2. प्रभु से जब प्रेम करेंगे सिर्फ भलाई को पायेंगे  
उसके वचनों को मानेंगे उससे भरपूरी पायेंगे  
कृपा करता है बल देता है.....2  
मारा मधुर बनाता है वो – यीशु.....

## 24

तेरे छुने से यीशु, मुर्दे जी उठे  
तेरे छुने से यीशु, लंगड़े भी चले  
तू कह दे बस यीशु, ये बंधन टूट जायेंगे  
तू कह दे बस यीशु, टूटे दिल मिल जायेंगे  
तू जिंदा हैं जिंदा, जिंदा हैं यीशु

उंचा गढ़ है तू मेरा, तू मेरी हैं ढाल

शांति पाएं हृदय में, तुझ से हर इंसान  
दुःखों और तकलीफों में, तेरा वचन हैं राह  
तेरे छुने से यीशु गुंगे बोल उठे  
तेरे छुने से यीशु अंधे देखने लगे

## 25

1. तेरा प्यार है महान तेरा प्यार यहाँ  
मैं जो पहले मुर्दा था तूने डाली मुझ में जान  
क्यों न बोलूँ फिर मैं तेरी जय जयकार  
जय जयकार (2) तूने मेरे लिए क्या कुछ न किया
2. मेरी सूरत बिगड़ी थी मेरा दिल था खाली  
तूने सींचा था खून से ताकि आये हरियाली
3. आयी जीवन में खुशी आयी अब्दी ज़िन्दगी  
तू है ज़िन्दां शफ़िया तूने यह है किया
4. अपनी रुह से भर दिया अपनी शक्ति मुझको दी  
ताकि दूँ मैं गवाही तेरे जी उठने की

## 26

घटी नहीं है, घटी नहीं है मेरे जीवन में कुछ भी घटी नहीं है  
मेरे जीवन में यीशु मसीह आया—2  
कमी नहीं है, कमी नहीं है, मेरे जीवन में कुछ भी कमी नहीं है

- 1 प्रार्थना में यीशु से मांगा करो— बोलो प्रार्थना में  
कमी नहीं है, कमी नहीं है, उसके दरबार में कोई कमी नहीं है
- 2 विश्वास से यीशु की जय बोलेगे— बोलो विश्वास से  
डर नहीं है, डर नहीं है, यीशु जो साथ है डर नहीं है

## 27

तुफानो पर चलानेवाला यीशु है—यीशु है  
पानी पर वो चलनेवाला यीशु है—यीशु है  
उसके वस्त्रों से देखो चंगाई बेहती  
जिसके छूने से देखो तुफान है थामते.....  
तो आकर देख ले, छू कर देख ले  
यीशु मसीह आज भी जिंदा हैं  
डर न नहीं घबरा नहीं,  
यीशु हैं साथ तू रुकना नहीं—2  
तूफानों से निकालेगा, यीशु नाम तुझे

## 28

पाप हटाने को श्राप मिटाने को  
तू जग में आया खुदा  
हमको बचाने को मुक्ति दिलाने को  
सुली पर कुरबान हुआ  
मेरे आंसुओं को तूने शांति दिया—2  
मेरे येशुवे— 4

सोना न मांगा है, चांदी न मांगा हैं  
हृदय को मांगा है वो  
दौलत न मांगा है, शोहरत न मांगा है  
हृदय को मांगा है वो  
मैं ढुँढ़ने गया नहीं वो ढुँढ़ने आया मुझे  
मेरे येशुवे— 4

## 29

तारीफ, तारिफ, तारिफ  
तारीफ करता हूँ मेरे खुदा की  
तारीफ करता हूँ प्यारे पिता की

1 जिसने रचे हैं आकाश में, सुरज चांद सितारे  
जिसने किए हैं धरती पर, आश्चर्य कर्म सारे  
देखकर नीले आसमां को, तस्सली होती मन की  
करता हूँ मैं तारीफ दुनिया बनाने वाले की

2 पहाड़ बनाये हैं देखो, विशाल कैसे इनते  
शीतल वायु को साथ लेकर, दौड़ते हैं झरने  
पक्षी भी रात दिन गाते हैं, मधुर मिठे तराने  
हरपल सब करते हैं, तारीफ मेरे खुदा की

3 तू ही है महान सबसे, सृष्टि रची है शब्द से  
बगियां भी करते हैं, तारीफ रंग रूप खुशबू से  
मुझे अपने स्वरूप में, बनाया है तुने हाथों से  
करता हूँ तारीफ मैं, दिल से प्यारे खुदबंद की

## 30

स्वर्ग से बहती नदी सिहांसन से वह आती  
जिसकी नहरे बहती बहती पृथ्वी में जुड़ जाती  
नदी प्रभु की नदी, नदी जीवन की नदी

1 यीशु आ जीवन की नदी हैं, यीशुआ अनंत का जल है

इस नाम में जीवन पाते,  
इस नाम में उद्धार पाते  
इस नाम में शांति पाते,  
इस नाम में प्रेम पाते  
बहने दो इस नदी को, गवाही दो जिंदा खुदा की

2 यह नदी रुह से भरी हैं, यह नदी जीवन से भरी हैं  
इस में लोग छुटकारा पाते,  
इस में लोग चंगे होते  
इस में लोग धर्मी बनते,  
इस में लोग जिंदगी पाते  
बहने दो इस नदी को, गवाही दो जिंदा खुदा की

## 31

तेरी करुणा घटती नहीं, तेरी सच्चाई मिटती नहीं  
तू ही यीशुआ अल्फ़ा और ओमेगा  
आदि में वचन था, वचन तू ही देह धारी बन के  
जगत का उद्धारक बना— होसन्ना

- 1 करुणा प्रतिदिन नई होती है  
सामर्थी वचन के साथ स्थिर रहती है  
यह तो खुदा की मर्जी का प्रतिफल है  
निश्चय भलाई और आशीष साथ हो लेते हैं
- 2 सच्चाई पीढ़ी दर पीढ़ी बनी रहती है  
जीवित वचन के साथ अमर रहती है  
यह तो खुदा की वाणी का सच है  
सनातन अविनाशी का प्रमाण है

## 32

तुझको ही चाहता यीशु मैं हर पल  
तुझको ही मानता यीशु मैं हर दिन  
तुझ बिन मैं जी ना सकूँ  
जब मैं सोचता हूँ तेरा प्यार मुझ पर  
जब मैं सोचता हूँ तेरी दया मुझ पर  
आनंद से भर जाता हूँ  
मैं नाच—नाच कर—3, तेरी स्तुति करता हूँ

1 तू मुझे मित्र कहता है, नाम से मुझे बुलाता हैं  
जान देकर मुझे बचाया है, तुझ से ही मेरी शुरूआत है,

2 तूने मुझे किमती बना दिया, तेरे जैसे बना दिया  
अनंत जीवन मुझे दिया, स्वर्ग का वारिस बना दिया

## 33

धन्यवाद यीशु तेरा धन्यवाद—2  
बड़ी दया के लिए, जीवित आशा के लिए,  
इस जीवन के लिये  
सच्चा प्रेम के लिए, पाप क्षमा के लिये  
मुक्ति देने के लिये

1 चंगाई और भलाई के लिए  
सबकुछ देने के लिए  
सुरक्षा और, प्रबन्ध के लिए,  
सारी आशीषों के लिए

2 शांति और आंनद देने के लिए  
सारी बातों के लिए  
संभालने और चलाने कि लिए  
प्रतिदिन बोझ उठाने के लिए

### 34

मेरा प्रभु मेरा सब कुछ यीशु मसीह  
मेरा जीवन मेरी साँसे यीशु मसीह  
मेरा वर्तमान मेरा भविष्य यीशु मसीह  
मेरी आशा मेरा भरोसा यीशु मसीह  
वह मेरी जान हैं, वह मेरा मान हैं—यीशु मसीह

1 उद्धार वही हैं, चंगाई वही हैं  
जीवन वही हैं सबका  
प्रेम वही हैं, शांति वही हैं, मार्ग हैं स्वर्ग जाने का

2 सबसे अलग हैं, सबसे सुंदर हैं  
सब से वही भला हैं  
सबसे अच्छा हैं, सबसे प्यारा हैं  
सबसे वह पहले हैं

### 35

जो यहोवा पर रखेगा, भरोसा अपना  
देखो वो कहलाएगा, सियोन पर्वत समान  
जो कभी टलता नहीं, पर सदा रहता बना  
देखो वो कहलाएगा, सियोन पर्वत समान

1 जिस तरह चारों तरफ हैं, यरुशलेम के पहाड़  
उसी तरह चारों तरफ से, यहोवा हमारी आड़  
यहोवा हमारी आड़, शहरपनाह के समान

2 वो तेरे पैरों को, टलने न देगा कभी  
तेरा रक्षक हैं यहोवा, जो न ऊंगे कभी  
जो न ऊंगे कभी, यहोवा कितना महान

3 पहरुए चाहते हैं, भोर को जितना  
चाहता हुँ मैं प्रभु को, प्राणों से ज्यादा  
प्राणों से ज्यादा, कैसे करूँ मैं बयान

## 36

यहोवा मेरा बल है, सभाओं में गाऊँगा  
यहोवा मेरा श्रोत है, पुकार के मैं बताऊँगा  
यहोवा को छोड़ कोई सहारा नहीं  
उस पर भरोसा रख मैं बढ़ता ही जाऊँगा  
यहोवा मेरा बल है

1. लाल समन्दर सामने है, फिरैन की सेना पीछे है  
निरुपाय हो गया (2) जाऊँ कहां, मन ही मन  
कुड़कुड़ाऊँ  
यहोवा निस्सी बनकर, यहोवा यिरे  
समन्दर में रास्ते निकालेगा वो  
बढ़ता ही जाऊँगा उसी राह पर  
आनन्द मनाऊँगा और भजन गाऊँगा

2. काम कठिन क्या है मेरे लिए  
 क्या कुछ असम्भव है मेरे लिए  
 चलाता है आग में (2) फूल की तरह  
 दुष्टों की युक्ति को करता विफल है  
 यहोवा राफा इबनेज़र बन (2) चलायेगा जीवन भर  
 यहोवा को छोड़ कोई सहारा नहीं  
 उस पर भरोसा रख मैं बढ़ता ही जाऊँगा

## 37

प्रभु यीशु की जय ,  
 प्रभु यीशु की जय  
 जय जय जय जय—4

- 1 यीशु ही प्रभु है, यीशु ही पवित्र है  
 यीशु ही सत्य है, यीशु ही जीवित है  
 केवल यीशु ही है
- 2 यीशु ही उद्धार है, यीशु ही जीवन है  
 यीशु ही आशा है यीशु ही भरोसा है  
 केवल यीशु ही है
- 3 यीशु ही प्यार है , यीशु ही शांति है,  
 यीशु ही आनंद है, यीशु ही चंगाई है  
 केवल यीशु ही है
- 4 यीशु नाम ऊँच्चा है, यीशु नाम अच्छा है  
 यीशु नाम प्यारा है, यीशु नाम न्यारा है  
 केवल यीशु नाम

## 38

सर्वशक्तिमान है मेरा प्रभु  
सम्भव है सब कुछ उसके लिए — 2  
सारी सृष्टि का रचने वाला  
पिता वो मेरा, आनन्दित हो — 2

1. राफ़ा यहोवा देगा शिफ़ा मुझको  
शम्मा यहोवा, प्रभु है यहाँ पर — 2  
है प्रभु मेरा प्रभु, पिता वो मेरा आनन्दित हो — 2
2. शालोम यहोवा, मेरा शान्ति दाता  
निस्सी यहोवा, झण्डा जय का मेरा — 2  
है प्रभु मेरा प्रभु, पिता वो मेरा आनन्दित हो — 2

## 39

- यीशुआ — मसीहा
- 1 अल्फा ओमेगा—यीशुआ मसीहा  
आदि और अंत है —यीशुआ मसीहा  
जीवन की रोटी —यीशुआ मसीहा  
जीवन का जल है —यीशुआ मसीहा
  - 2 पूरब के गाये —यीशुआ मसीहा  
पश्चिम के गाये —यीशुआ मसीहा  
उत्तर के गाये—यीशुआ मसीहा  
दक्षिण के गाये —यीशुआ मसीहा  
सब मिलकर गाये —यीशुआ मसीहा

## 40

राजाधिराज तेरे उपकार को  
 कभी न भुलुंगा  
 जब से तूने चुना हुआ तेरा आराधक  
 सच्ची आराधना लायी दिल में अभिषेक  
 तहे दिल से प्रशंसा निरंतर करुंगा

1.      पिछले दिनो से लेकर  
         एबन एजर बना तू  
         जीवन के हर कदम पर  
         रोही बना हैं तू  
         तेरी करुणा सदा की हैं———3
2.      जरूरतो के समय पर  
         यीरे बना बना हैं तू  
         बैंचेनियां होने पर  
         शालोम बना हैं तू  
         तेरी करुणा सदा की हैं———3
3.      निरोग जीवन दिलाने  
         राफा बना हैं तू  
         निर्बल परिस्थिति में  
         निस्सि बना हैं तू  
         तेरी करुणा सदा की हैं———3

## 41

यीशु मसीह हमारा प्रभु  
 स्तुति के योग्य प्रभु

युगानयुग पवित्र सदा

आदर के योग्य प्रभु....तो गाएं होसन्ना—2

1. सारे जहां में वो एक  
राजाधिराजा प्रभु  
सारे जहां में वो श्रेष्ठ  
शांति का राजा प्रभु

2. पवित्र सिंहासन पर  
बैठे वो राज करता  
पवित्रता की सामर्थ  
हमारे जीवन में देता

3. अद्भूत पराक्रमी  
असंभव को करता संभव  
तुफान को रोकनेवाला  
अनोखा हमारा प्रभु

## 42

हे सारे लोग यहोवा की स्तुति करो

वो हैं महान स्तुति के योग्य हैं

महिमा प्रशंसा अगम हैं

महिमा हो सदा, प्रशंसा हो सदा—2

1. आसमां ये जर्मीं उसकी महिमा से भरी  
यह जीवन जिसमे प्राण, गुणगानो से भरा  
आओ पवित्रस्थान में, पहला स्थान देकर

पाओ आशीषे जीवन में, आदर महिमा देकर

2. स्वर्गदुत स्वर्ग में उसकी महिमा से भरे  
ये प्रजा चुनी हुई, पवित्रआत्मा से भरी  
गाओ पवित्र आत्मा में सामर्थ से भरो  
पाओ अभिषेक जीवन में महिमा से भरो

## 43

जातियों में ज्योंति फैलायेंगे (A Light to the Nations)  
हर देश में शहरों में गावों में  
सुसमाचार पहुंचायेंगे  
हर देश में, शहरों में गावों में

1. सुहावने पांव उनके, जो सुसमाचार सुनाते  
कदम कदम बढ़ते जाते, और शांति की बात सुनाते  
बढ़ते कदम को, रोक न देंगे  
हर जाति में फैलायेंगे
2. सिपाही हैं हम मसीह के, ऐलान सच करेंगे  
बेचैन हुई रुहों को, हम उद्धारक से मिलवायेंगे  
जकड़े हुओं को, पिड़ितों को  
शोषितों को, छुड़ायेंगे

## 44

गाएगे हम यीशु महान  
करेंगे हम स्तुति प्रशंसा  
हम जयवंत हुए आराधक हैं

हम विजय हुए आराधक हैं

1. अंधकार में थे ज्योति में हैं बुलाया  
दंड की आज्ञा मिटाकर उसकी प्रजा बनाया—हालेलुय्याह
2. अब हम चुने हुए वंश पवित्र लोग कहलाते  
निज प्रजा बनकर उसका समाज  
कहलाते—हालेलुय्याह

## 45

धन्यवाद के साथ उसके चरणों में आराधना करते हुएं  
तन मन के साथ उसके चरणों में स्तुति करते हुएं  
यीशु ही प्रभु हैं——2

1. जीवन का सोता नदी सा बहता  
मधु से मिठा हैं वो  
बंजर जमीं को हरा वो करता  
सुखदाई झरना हैं वो
2. ज्ञान का सोता वचन को भेजकर  
चंगाई देता हैं वो  
रोगों से मुक्ति जीने की शक्ति  
ज़िंदगी देता हैं वो

## 46

जिंदगी ये सफर, अंजाने ये डगर  
तेरे बिना मेरा जीना  
संभव नहीं

तू जो कहें मैं वो सुनूं  
वो ही सही  
यीशुआ.....तू ही हैं मेरी ताकत  
यीशुआ.....तू ही हैं मेरी राहत

मुश्किले हैं मगर अब कोई ना फिकर  
मेरा जीना और मरना  
मसीह हैं  
तू जो कहें मैं वो करूँ  
सौभाग्य हैं  
यीशुआ...तू ही हैं मेरी पनाह  
यीशुआ...तू ही हैं मेरी सलाह

## 47

साथ यीशु गर ना होते  
आज कही का ना होता  
प्यार यीशु गर ना करते  
ये दिल कही का ना होता

1 अनुग्रह ने मुझको ढुँढ़ा  
जब मैं अंजानी राहो में था  
सोचता था जीवन यु ही गुजार लुं  
बैचेनी दिल को रुलाती रही  
छुआ पवित्र आत्मा ने—2  
आया यीशु के चरणो में

2 खुदा के वादों ने छोड़ा नहीं  
अक्सर ढुँढ़ा करते रहे  
पल दो पल में सोचकर  
वादो को ठुकराता रहा  
छुआ पवित्र आत्मा ने—2  
आया यीशु के चरणों में

48

सारी महिमा यीशु को मैं दुः  
मेरे मन से  
मेरे प्राण से  
मेरी आत्मा से

1. इस पल में सबसे पहले  
यीशु को धन्यवाद दुः  
आदर के योग्य, महिमा के योग्य  
केवल यीशु हैं
  
2. आत्मा के वरदानों से  
आत्मा की सच्चाई से  
सारे मन से, सारे तन से  
आराधना करूँ

49

पवित्र आत्मा तू हैं यहां  
तेरी महिमा होवे यहां  
क्योंकि तू जो हैं सो हैं—2

यीशु मसीह कल और आज  
युगानयुग एक सा हैं  
क्योंकि तू जो हैं सो हैं—2

तेरी सामर्थ छु ले यहां  
अभिषेक पाएं यहां  
क्योंकि तू जो हैं सो हैं—2  
चंगाई होवे यहां  
छुटकारा पाएं यहां  
क्योंकि तू जो हैं सो हैं—2

आराधना करते हैं हम  
स्तुति गाते हैं हम  
क्योंकि तू जो हैं सो हैं—2

## 50

सबसे अलग—2  
तेरे विचार और तेरी गति  
पिता, यीशु, पवित्र आत्मा

1. प्रेमी पिता—तेरे विचार, तेरी गति  
सबसे अलग हैं यहाँ  
तेरा राज्य, तेरी सामर्थ  
छु रहें हैं यहाँ
2. यीशु मसीह— तेरा स्वभाव, तेरा अभिषेक  
सबसे अलग हैं यहाँ

तेरा नाम, तेरी महिमा  
छु रहें हैं यहाँ

3. पवित्र आत्मा— तेरा स्पर्श, तेरे कार्य  
सबसे अलग हैं यहाँ  
तेरा ज्ञान, तेरी बुद्धि  
छु रहें हैं यहाँ  
चंगाई यहाँ  
छुटकारा यहाँ  
भलाई का सोता यहाँ  
पवित्रता यहाँ  
नम्रता यहाँ  
जीवन का सोता यहाँ

51

यीशु नाम की जय—3  
वो गुरु हम चेले  
वो राजा हम प्रजा  
चलो चलो चलो उसके पीछे  
हो हो होसन्ना

1 खुद का इन्कार करना हैं अपना कस उठाना हैं  
हर भाषा हर जाति में यीशु के चेले बनाना हैं  
हो हो होसन्ना

2 सच्ची दाखलता यीशू तू हम सब तेरी ड़ालियाँ

जो तुझमें बना रहता हैं वह बहुत सा फल फलता रहता हैं  
हो हो होसन्ना

## 52

आकाश और पृथ्वी में जो भी हैं तेरा हैं  
आदि से अंत तक तू ही प्रभु हैं  
महिमा पराक्रम सामर्थ तेरे हैं

1. तेरी वाणी से यह बनी दुनिया  
तेरी सामर्थ का वर्णन हैं किया  
ना हैं तेरे समान ना होगा कोई महान—2
  
2. तेरे वचनों में हैं बढ़ी सामर्थ  
ये सनातन से हैं अटल वर्णन  
ये हैं तेरे वादे ना होंगे कभी विफल—2

## 53

यीशु मेरी ज्योति, यीशु मेरा उद्धार  
जीवन का दृढ़ गढ़ हैं क्यों मैं डरू — हालेलुय्याह

1. चाहे मेरे मार्ग में विरोध क्यों न हो  
हो मुसीबत बल की हियाव ल छोड़ुंगा  
यदि खुदा मेरी ओर हैं...क्यों मैं डरूं...?
  
2. चाहे मेरे बाग में फल क्यों न हो  
हो मुसीबत जल की मगन रहुंगा  
यदि खुदा मेरी ओर हैं...क्यों मैं डरूं...?

3. चाहे मेरे प्राण को हानी क्यों न हो  
हो मुसीबत दुःखों की विश्वास न छुड़ुंगा  
यदि खुदा मेरी ओर हैं...क्यों मैं डरूं...?

## 54

आजाद हैं हम, जयवंत हैं हम

यीशु की महिमा के लिए

पवित्रता से सच्चे मन से

यीशु की महिमा करें

1 खुदा ने जगत से प्यार किया

एकलौता पुत्र हमे उपहार दिया

जो कोई विश्वास करें, वो नाश न होगा

पर वो पायेगे, स्वर्ग में अनंत जीवन

2 यीशु ने अनुग्रह से हमे बचा लिया

श्रापो के बंधन से हमे छुड़ा लिया

विधियों का वो लेख जो था मिटा दिया

और हमको दिया तोहफा उद्धार का

## 55

उपासना हम करते हैं

आत्मा और सच्चाई से

उपासना हम करते हैं

दिल की गहराई से

1. स्वर्ग खुल जाएं स्तुति के शब्दों से  
सामर्थ छा जाएं पवित्र आत्मा से

अभिषेक से भरपुर हो – पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो

2. हम सब झुक जाएं यीशु के कदमो में  
तन मन आत्मा से सजदा करें  
नम्रता से भरपुर हो – पवित्रता से परिपूर्ण

**56**

तेरी पनाह में आते  
करिब से तुझे निहारते  
तेरी पनाह में अभिषेक  
करिब से आके हम पाते  
यीशुआ तू आदर के योग्य  
यीशुआ तू महिमा के योग्य  
तेरी पनाह में ले चल.....होसन्ना 4

तेरी पनाह में गाते  
तेरे कार्य कितने अद्भुत हैं  
स्वर्ग में दूतों के संग संग  
हम भी यह गाते तू पवित्र  
यीशुआ तू तारिफ के योग्य  
यीशुआ तू स्तुति के योग्य  
तेरी हुजुरी में ले चल.....होनन्ना

**57**

प्रभु राजाओं का राजा मन को छुनेवाला  
तू महान हैं करुणामय मन को बदलनेवाला

1. दुटे मन को तूने तुच्छ नहीं जाना  
प्यार किया तूने मन को ही जाना  
चाहा तूने मेरे मन को  
चाहा मैंने तेरे प्यार को
2. पिसे मन को तूने तुच्छ नहीं  
जीवन दिया तूने सच्चा मार्ग दिया  
जाना तूने बेहद प्यार से  
जाना मैंने सच्चे खुदा को

**58**

हे मेरे इस्त्राएल, मैंने तुम्हें चुना है  
आदि से लेकर अन्त तक, हँू मैं तेरा यहोवा

1. मैं प्यासी भूमि पर जल,  
और सूखी भूमि पर धाराएँ बहाऊंगा  
वहाँ हरियाली हर समय में, हरी.भरी रहेंगी
2. मैं तेरे वंश पर आत्मा  
और सन्तानों पर आशिष उँडेलूंगा  
वे दर्शन देखने लगेंगे, और नबूवत कर सकेंगे

**59**

1. तेरा अनुग्रह मेरे लिए  
काफी है सारे जीवन के लिए  
तेरी योजना मेरे लिए  
हानि की नहीं आशीषों की है – आमीन – 4

2. मंजिल की राहें कठिन हो  
मकसद से मिलना मुश्किल हो  
खमोशी तनहायियों में  
दिल कहीं बैचेन न हो  
पर मुझको है भरोसा यीशु पर  
ले जायेगा उसकी राहों पर – आमीन – 4
3. सागर की गहरी डगर में  
कश्ती कहीं फस न जाए  
जीवन के लंबे सफर में  
दिशाएँ बदल तो न जाएं  
पर मुझको है भरोसा यीशु पर  
ले जायेगा उसकी राहों पर – आमीन – 4

## 60

पराक्रमी खुदा हम तेरे आराधक हैं  
सिहासन के समुख आराधना होसन्ना गाते हैं  
होसन्ना—8

- 1 जयजयकार की ललकार  
यीशु मसीह की हो  
चाहे दो हो या तीन  
उनके बीच हुजुरी उसकी  
सर्वशक्तिमान हैं, पराक्रम में महान हैं  
मैं गाउं हम गाएं होसन्ना
- 2 जयजयकार की ललकार  
दिल की भवन से हो  
स्तुति धन्यवाद हरपल इस जीवन से हो  
वो ही सच्चा रोही हैं सच्चा राह की ज्योति हैं

मैं गाउं हम गाएं होसन्ना

## 61

यीशु पवित्र हैं अनोखा वो ही मिसाल  
चखकर जो जाने कहें सारें जहाँ में अलग  
सर्वशक्तिमान पराक्रम में महान  
ना हैं कोई उसके ही समान

1. सिंहासन पर विराजमान सदैव राज करता  
धर्मी या अधर्मी सभी को पुकारता  
एक दिन न्याय होगा  
खराई से वह होगा  
वो ही सच्चा न्यायी
2. तू ही हैं खुदावंद तेरे राज्य में कौन रहेगा  
पवित्र पर्वत पर कौन बसने पायेगा  
खराई से जो चलता  
सच्चे काम करता  
वो ही सच्चा निवासी

## 62

तू ही मेरा, मेरा सवेरा  
तेरे सिवा है ना कोई मेरा

हा—हा ले लु याह—यीशुआ  
हर नाम से उंचा, है नाम यीशुआ  
करते हैं हम सज़दा यहाँ  
हा—हा ले लु याह—यीशुआ  
सबसे उंचा है तेरा नाम  
सबसे उंचा है यीशु नाम  
हर पहाड़ों से, हर तुफानो से  
आसमांनो से, सारे नामो से  
यीशु तेरा नाम—2  
तुमसा कोई नहीं, तुमसा कही नहीं

अब है पुरा यकीन, तुमसा कोई नहीं  
यीशु मसीह हो महिमा तेरी  
गाए आसमां, गाए यह जमीन  
यीशु है वो नाम—4

60

यीशु तेरी कलीसिया हम हैं  
यीशु तेरी प्रजा हम हैं  
अधोलोक के फाटक उसपर  
प्रबल कभी न होंगे  
अन्धकार के सारे काम  
यीशु नाम से दूर होंगे

1. कुंजियाँ जो हमे मिली हैं  
स्वर्ग राज्य की है यह कुंजियाँ  
जो कुछ हम पृथ्वी पर खोलेंगे  
वह स्वर्ग में भी खुलेगा  
विश्वास की है यह कुंजियाँ  
जो यीशु ने हमे दी है  
अधिकार की है यह कुंजियाँ
2. कलीसिया जो यीशु की देह है  
पर अंग उसके अलग अलग है  
जो कुछ हम पृथ्वी पर बांधेंगे  
वह स्वर्ग में भी बंधेगा  
वरदानों से भरी यह कलीसिया  
जो सुसमाचार फैलाती है  
मसीह यीशु की यह शान है कलीसिया